भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3157
दिनांक 13.12.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन, 2024

3157. **श्री गिरिधारी यादवः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) अक्तूबर, 2024 में हुई ब्रिक्स घोषणा का ब्यौरा क्या है;

(ख) ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान सभी सदस्य देशों के बीच आपसी व्यापार को बढ़ावा देने के लिए किन–किन समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए;

(ग) ब्रिक्स बैंक की वर्तमान स्थिति क्या है;

(घ) क्या ब्रिक्स के सभी सदस्य देश अपनी–अपनी मुद्राओं में एक दूसरे के साथ व्यापार कर सकते हैं; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्गेरिटा)

(क) भारत ब्रिक्स के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है, जो परामर्श एवं सहयोग के लिए एक मूल्यवान मंच के रूप में उभरा है, और जिसने आपसी समझ को बढ़ावा देने में सहायता की है। ब्रिक्स देशों के नेताओं ने रूस की अध्यक्षता में आयोजित XVI ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए 22-24 अक्टूबर 2024 तक कज़ान (रूस) में मुलाक़ात की। XVI ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का विषय 'न्यायसंगत वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना' था। शिखर सम्मेलन के परिणामस्वरूप कज़ान घोषणा नामक एक परिणाम दस्तावेज़ तैयार हुआ, जिसे सभी ब्रिक्स देशों द्वारा अंगीकृत किया गया।

(ख) शून्य

(ग) न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी), जिसे सामान्यतः ब्रिक्स बैंक के रूप में जाना जाता है, ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका (ब्रीक्स) द्वारा स्थापित एक बहुपक्षीय विकास बैंक है, जिसका उद्देश्य उभरते बाजारों और विकासशील देशों (ईएमडीसी) में अवसंरचना और सतत विकास परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाना है। 2021 में, 2 नए सदस्य, बांग्लादेश और संयुक्त अरब अमीरात, एनडीबी में शामिल हुए। इसके अतिरिक्त, 2023 में, मिस्र एनडीबी में शामिल हो गया। संस्थापक सदस्य के रूप में, भारत एनडीबी में 18.98% की हिस्सेदारी और मतदान शक्ति रखता है। 30 सितंबर, 2024 तक, एनडीबी द्वारा 35.54 बिलियन अमरीकी डालर का वित्तपोषण सहित वैश्विक स्तर पर कुल 101 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। भारत एनडीबी से सबसे बड़ा ऋण प्राप्तकर्ता है और इसके पास 28 परियोजनाएं तथा 9.09 बिलियन डॉलर का परिव्यय के साथ कुल पोर्टफोलियो राशि का 26% हिस्सा है।

(घ) ब्रिक्स के अंतर्गत ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है।

(ङ) लागू नहीं।

*****